वाणिज्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. कॉम (पुराना))

प्रथम वर्ष

सत्रीय कार्य

2023–2024

जुलाई 2023 तथा जनवरी 2024 प्रवेश सत्र के लिए

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 1100 68

सत्रीय कार्य – 2023–2024

प्रिय छात्र/छात्राओं,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस कार्यक्रम में आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य आपको एक साथ भेजे जा रहे हैं।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इन सत्रीय कार्यों को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात् **(जुलाई 2023 और जनवरी 2024)** के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :–

1. जो **जुलाई 2023** में पंजीकृत है उनकी वैधता **जून 2024** तक है।

2. जो **जनवरी 2024** में पंजीकृत है उनकी वैधता **दिसंबर 2024** है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **15 मार्च** तक अवश्य जमा कर दें। यदि आप दिसम्बर सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इन्हें **15 सितम्बर** तक अध्ययन केंद्र के संयोजक के पास जमा कर दें।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय परिवेश**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -01/ टी. एम. ए. / 2023 – 24**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. (क) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार वातावरण को परिभाषित कीजिए। सूक्ष्म और स्थूल वातावरण के बीच उदाहरण सहित अंतर बताएं। **(10+10)**

(ख) राजनीतिक जोखिम क्या है ? राजनीतिक जोखिम के प्रमुख प्रकारों पर उदाहरण सहित चर्चा कीजिए।

2. (क) विश्व अर्थव्यवस्था में टीएनसी (TNC) के उद्भव की व्याख्या करने वाले विभिन्न सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। **(10+10)**

(ख) मेजबान देश और निवेश करने वाले देश के लिए टीएनसी (TNC) संचालन के मुख्य लाभ और हानि पर प्रकाश डालें।

3. **निम्नलिखित पर टिप्पणी करें:** **(4X5)**

(क) टैरिफ बाधाएं व्यापार को प्रतिबंधित करने और घरेलू आयात प्रतिस्पर्धी उद्योग को सुरक्षा देने का एकमात्र साधन नहीं है ।

(ख) सभी अनुबंध समझौते हैं लेकिन सभी समझौते अनुबंध नहीं है।

(ग) भारतीय विदेश व्यापार नीति प्रौद्योगिकी के आयात की सुविधा नहीं देती है।

(घ) नियोक्लासिकल मॉडल में मुक्त व्यापार न केवल दोनों देशों में सापेक्ष वस्तु की कीमत को बराबर करता है बल्कि सापेक्ष मजदूरी दर को भी बराबर करता है ।

4. **निम्नलिखित के बीच अंतर कीजिए**: **(4X5)**

(क) कस्टम यूनियन और कॉमन मार्केट

(ख) गैट (GATT) और डब्ल्यूटीओ (WTO)

(ग) निर्यात बिक्री अनुबंध और घरेलू बिक्री अनुबंध

(घ) स्पष्ट अनुबंध और निहित अनुबंध

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **(4X5)**

(क) वैश्वीकरण के बारे में पोर्टर का दृष्टिकोण

(ख) नैतिक विश्लेषण के लिए होस्मर का मॉडल

(ग) आर्थिक विकास में सेवाओं की भूमिका

(घ) माल की बिक्री अधिनियम, 1930

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -02**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंतर्राष्ट्रीय विपणन प्रबंधन**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -02/ टी. एम. ए. / 2023 - 24**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. विपणन की नीतिगत अवधारणा से आप क्या समझते हैं? यह विपणन अवधारणा से किस प्रकार भिन्न है? नीतिगत विपणन के आधारभूत सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। **(20)**

2. भौगोलिक केन्द्रित निर्धारण क्या है? कुछ भारतीय संस्थाओ के उदाहरण दीजिए जिन्होंने उच्च विपणन (niche marketing) को अपनाया है? **(20)**

3. **निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखिए:** **(4X5)**

(क) एस. डब्ल्यू. ओ. टी. विश्लेषण

(ख) रिपोर्ट लेखन

(ग) पिग्गी बैकिंग

(घ) गैट्स(GATS)

4. **निम्नलिखित में अंतर कीजिए:** **(4X5)**

(क) वर्गीकरण और सारणीयन

(ख) प्रत्यक्षमेल और विज्ञापन

(ग) वारंटी और गारंटी

(घ) प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष विक्रय श्रृंखला

5. **निम्नलिखित कथनों पर टिप्पणी कीजिए:** **(4X5)**

(क) वैश्विक स्थिति उन उत्पाद श्रेणियों के लिए सबसे प्रभावी है जो उच्च स्पर्श उच्च तकनीक' सातत्य के किसी भी ओर स्थित हो।

(ख) संभावित बाजार का आकार और विस्तार बाजारों के चयन में एक महत्वपूर्ण घटक है ।

(ग) विपणन में सम्प्रेषण का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है।

(घ) सूचना प्रौद्योगिकी में क्रांतिकारी परिवर्तन ने वैश्विक व्यापार को प्रभावित किया है।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -03**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**भारत का विदेश व्यापार**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -03/ टी. एम. ए. / 2023 – 24**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. विश्व व्यापार में सम्मिलित विषय एवं उसके वर्तमान परिदृश्य को बताइये। **(12+8)**

2. राष्ट्रीय निर्यात प्रयासों में वृद्धि हेतु भारत सरकार द्वारा प्रारंभ किये गये प्रयासों की व्याख्या कीजिये । निर्यात क्षेत्र के कौन से प्रमुख क्षेत्रों की सहायता को ध्यान में रखकर यह उपाय अपनाये गये हैं ? **(20)**

3. भारत से दस्तकारी तथा रत्न और आभूषण निर्यात की प्रवृत्ति की व्याख्या कीजिए। **(10+10)**

4. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: **(10+10)**

(क) भारत – ई. यू. व्यापार

(ख) दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्र संघ / एसियन के उद्देश्य

5. निम्नलिखित कथनों पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए: **(4x5)**

(क) भुगतान शेष से आशय उन सभी आर्थिक व्यवहारों से है जो किसी समयावधि में देशी एवं विदेशी निवासियों के मध्य किये जाते है।

(ख) आर्थिक समृद्धि हेतु विदेशी निवेश को आवश्यक समझा गया।

(ग) देश के कृषि उत्पादों की बहुत अधिक निर्यात सम्भावना है।

(घ) जापान विश्व का विशालतम निर्यातकर्ता एवं आयातकर्ता है।

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -04**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**निर्यात - आयात प्रक्रिया और प्रलेखीकरण**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -04/ टी. एम. ए. / 2023 – 24**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. (क) एफओबी (FOB) और सीआईएफ (CIF) अनुबंध के तहत निर्यातक और आयातक के कर्तव्यों पर चर्चा करें । **(10+10)**

(ख) एफओबी (FOB) और सीआईएफ (CIF) अनुबंध के प्रमुख क़ानूनी निहितार्थों को संक्षेप में समझाएं ।

2. (क) संस्थागत बुनियादी ढांचा क्या है ? संस्थागत बुनियादी ढांचे के महत्व को संक्षेप में रेखांकित करें । **(10+10)**

(ख) निर्यात संवर्धन परिषदों और कमोडिटी बोर्डों से आप क्यासमझते हैं ? उनके कार्यों को संक्षेप में समझाइये।

3. निम्नलिखित पर टिप्पणी कीजिए: **(4X5)**

(क) मध्यस्थता मुकदमेबाजी से बेहतर है ।

(ख) निर्यात संवर्धन पूंजीगत सामान (EPCG) योजना ने पूंजीगत सामान के आयत को उदार नहीं बनाया है ।

(ग) प्रीशिपमेंट फाइनेंस, पोस्ट शिपमेंट फाइनेंस के समान है ।

(घ) किस देश में निर्यात - संवर्धन कार्यक्रम की सफलता के लिए निर्यात विपणन प्रयास का कोई महत्व नहीं है।

4. निम्नलिखित के बीच अंतर कीजिए: **(4X5)**

(क) समुद्री जोखिम और बाहरी जोखिम

(ख) निर्बंध जहाजी बिल्टी और स्वाक्यांश जहाजी बिल्टी

(ग) ट्रेडिंग हाउस और स्टार ट्रेडिंग हाउस

(घ) वास्तविक कुल हानि और रचनात्मक कुल हानि

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **(4X5)**

(क) EDIFACT

(ख) निर्यातक शिकायत निवारण कक्ष

(ग) ECGC

(घ) विदेशी मुद्रा खाता

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -05**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंतर्राष्ट्रीय विपणन लॉजिस्टिक्स**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -05/ टी. एम. ए. / 2023 – 24**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. (क) केन्द्रीय मालगोदाम निगम के मुख्य कार्यों की विवेचना कीजिए और निर्यात व्यापार को सहायता प्रदान करने में इसकी भूमिका का वर्णन कीजिए । **(10+10)**

(ख) जहाज के पंजीकरण के क्या लाभ हैं? एक भारतीय कंपनी ने एक नया जहाज खरीदा है, इसके पंजीकरण की प्रक्रिया का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

2. (क) चार्टरिंग व्यवस्था के विभिन्न रूपों के अंतर्गत जहाज मालिकों और चार्टररों के उत्तरदायित्वों की व्याख्या करें । **(10+10)**

(ख) अंतर्राष्ट्रीय समुद्री कपटों की रोकथाम और उनसे बचाव में अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्य चैंबर की भूमिका का वर्णन कीजिए ।

3. निम्नलिखित पर टिप्पणियां कीजिए : **(4X5)**

(क) ग्राहकों के वितरण माँग को पूरा करना, भौतिक वितरण व्यवस्था के सफलतापूर्वक प्रचालन की महत्वपूर्ण आवश्यकता है।

(ख) संगठित क्षेत्र में अंतर्देशीय परिवहन के विभिन्न प्रकारों में, भारत के परिवहन जाल में रेल परिवहन सबसे महत्वपूर्ण है ।

(ग) पिछले तीन दशकों के दौरान बहुप्रतिरूप परिवहन ने तेज प्रगति की है।'

(घ) जहाज मालिक और चार्टरर को कपट की घटनाओं से बचने का सर्वोतम तरीका है कि संबंधित पक्षों, जिनके साथ वे लेन –देन कर रहें है, अनुबंध करने से पूर्व, की आवश्यक जानकारी कर लेनी चाहिए ।

4. निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए: **(4X5)**

(क) घरेलु लॉजिस्टिक्स और अंतर्राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स

(ख) फ्लैट पैक कंटेनर और ओपन टॉप कंटेनर

(ग) खुली दर और मूल्यानुसार दर

(घ) भार टन और गणना टन

5. निम्नलिखित व्यक्तव्यों की व्याख्या अति संक्षेप में कीजिए: **(4X5)**

(क) चयनात्मक स्टॉक नियंत्रण

(ख) हवाई कार्गो टैरिफ

(ग) बंदरगाहों का निजीकरण

(घ) लदान बिल

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -06**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	**:**	**अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय वित्त**
सत्रीय कार्य का कोड	**:**	**आई. बी. ओ. -06/ टी. एम. ए. / 2022 - 24**
खण्डों की संख्या	**:**	**सभी खण्ड**

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. (क) अंतर्राष्ट्रीय रोकड़ प्रबंधन से आप क्या समझते हैं ? इसकी आवश्यकता एवं महत्व पर चर्चा करें। **(10)+(10)**
(ख) रोकड़ प्रबंधन में रोकड़ चक्र के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

2. विनिमय जोखिम प्रबंधन के केन्द्रीकरण और विकेंद्रीकरण को निर्धारित करने वाले कौन – कौन से कारक हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ उन नीतियों पर चर्चा कीजिए जिनकी आप भारतीय बहुराष्ट्रीय कंपनियों के लिए सिफारिश करेंगे। **(20)**

3. निम्नलिखित पर टिप्पणियां कीजिए : **(4X5)**
(क) प्रतिकूल भुगतान शेष (BOP) स्थिती को ठीक करने के लिए अवमूल्यन सबसे कम प्रभावी उपाय है।
(ख) विनिमय दरों में परिवर्तन का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और पूंजी प्रवाह के पैटर्न पर मौलिक प्रभाव नहीं पड़ता है ।
(ग) विदेशी निवेश (FDI) से समय और परिवहन लागत बचती है ।
(घ) कर नीति का विदेशी निवेश पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है ।

4. निम्नलिखित में अंतर स्पष्ट कीजिए : **(4X5)**
(क) प्राथमिक होल्डिंग कंपनी और इंटरमिडीएट होल्डिंग कंपनी
(ख) समामेलन और विलय
(ग) रियायती रोकड़ प्रवाह (DCF) और गैर- रियायती रोकड़ प्रवाह (Non-DCF) तकनीकें
(घ) लाभांश मूल्यांकन मॉडल और पूंजी परिसंपत्ति मूल्य निर्धारण मॉडल

5. निम्नलिखित पर संक्षेप में व्याख्या कीजिए : **(4X5)**
(क) अंतर्राष्ट्रीय धन हस्तांतरण तंत्र
(ख) पुर्नखरीद समझौते
(ग) भारत में मुद्रा व्युत्पन्न बाजार
(घ) व्यावसायिक पर्यावरण जोखिम सूचकांक